जनपद शाहजहाँपुर में 'एक जनपद एक उत्पाद' (ODOP), योजना के स्थानीय शिल्पों के विकास का विष्लेणात्मक अध्ययन

गया सरन (जे.आर.एफ.)

भूगोल विभाग
वी. एस. एस. डी. पी.जी. कॉलेज कानपुर

सारांष- एक जनपद–एक उत्पाद योजना जनपद शाहजहांपुर, उत्तर प्रदेश में स्थानीय शिल्पों के विकास और वृद्धि के लिए एक महत्वपूर्ण पहल है। इसका मुख्य लक्ष्य स्थानीय शिल्पों का संरक्षण और विकास, रोजगार के अवसरों में वृद्धि, उत्पादन गुणवत्ता में सुधार, उत्पादों को पर्यटन से जोड़ना और आर्थिक असंतुलन को दूर करना है। शाहजहांपुर में जरी–जरदोजी, कढ़ाई जैसे स्थानीय शिल्पों का विकास किया जा रहा है, जो स्थानीय आबादी के मुख्य व्यवसाय के रूप में माना जाता है। इस कार्यक्रम के तहत, नौकरियां पैदा करने के साथ–साथ स्थानीय उत्पादों की पहचान, उनके विपणन, पैकिंग, और ब्रांडिंग को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसके साथ ही, कौशल विकास, प्रशिक्षण, और सहायता की व्यवस्था की जा रही है, ताकि इन उत्पादों का प्रदर्शन किया जा सके और उन्हें बाजार में सफलता प्राप्त करने में मदद मिल सके। 'एक जनपद–एक उत्पाद' योजना जनपद शाहजहाँपुर के आर्थिक विकास में एक महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है और यह उत्तर प्रदेश को विशेष रूप से हस्तशिल्प के निर्यात में अग्रणी बनाने में योगदान कर रहा है। एक जनपद एक उत्पाद कार्यक्रम के अंतर्गत, शहरों और गाँवों में उत्पादन, विकास, और प्रचार–प्रसार के कार्य किए हैं। इसका मुख्य उद्देश्य स्थानीय उत्पादों को संरक्षित करना, उनकी गुणवत्ता में सुधार करना और रोजगार के अवसरों में वृद्धि करना है। इससे स्थानीय शिल्पकला, कौशल, और उत्पादों के प्रचार–प्रसार में वृद्धि होगी।

मुख्य षब्द–एक जनपद–एक उत्पाद, शिल्पकला, कौशल, जरी–जरदोजी कढ़ाई।

प्रस्तावना

यह अध्ययन जनपद शाहजहानपुर में एक जनपद–एक उत्पाद (ODOP) योजना के स्थानीय शिल्पों के विकास का विश्लेषण करने पर केंद्रित है। इस अध्ययन का उद्देश्य – स्थानीय शिल्प के विकास का विश्लेषण करना, आय में वृद्धि और स्थानीय रोजगार सृजन का अध्ययन करना, इस कार्यक्रम के माध्यम से स्थानीय उत्पादों का प्रचार–प्रसार का अध्ययन करना। जिले में विकसित हो रहे शिल्पों के अध्ययन से यह सुनिश्चित करना है कि कैसे उत्पादों का निर्माण और प्रसार बढ़ाया जा सकता है, जिससे स्थानीय आर्थिक विकास हो। इसके साथ ही, यह अध्ययन उत्तर प्रदेश सरकार की ष्एक जनपद – एक उत्पाद योजना के साथ मिलकर जिले में विभिन्न उत्पादों के निर्माण और प्रसार के लिए नए अवसरों की खोज करता है।

अध्ययन क्षेत्र

जनपद शाहजहाँपुर उत्तर प्रदेश के रूहेलखण्ड के दक्षिण पूर्व भाग में स्थित है, जो एक मैदानी भाग है जिसका निर्माण तराई भागों से प्रवाहित नदियों द्वारा लाये गये निक्षेपों से हुआ है। इनमें मुखा आप से बांगर पूर्व खादर का क्षेत्र सम्मिलित किया जाता है। इसका भौगोलिक विस्तार 27° 28′ 38″ उ०अ० से 28° 22′ 08″ उ०अ० 79° 19′18″ पूर्व देशान्तर से 80°20′47″ पूर्व देशान्तर के बीच अवस्थित है। इसका कूल भौगोलिक क्षेत्रफल 4575 वर्ग किमी० है। भारतीय जनगणना विभाग 2011 के अनुसार शाहजहाँपुर की कुल जनसंख्या 3006538 जिसमें पुरुष 1808403 तथा महिला 1400135 है। इसके पूर्व में जनपद लखीमपुर खीरी, दक्षिण में हरदोई, फर्सन्याबाद, पश्चिम में बदायूँ एवं बरेली उत्तर में पीलीभीत स्थित है। वर्तमान में, जनपद शाहपजहाँपुर में कुल 4 तहसील सदर तिलहर, पुवायां और जलालाबाद, 15 विकासखण्ड (बंडा, खुटार, पुवायां, सिंधौली, कटरा खुदागंज, जैतीपुर, तिलहर निगोही, कॉल, ददरौल, भावलखेड़ा, मदनापुर, कलान, मिर्जापुर और जलालाबाद), 1077 ग्राम पंचायत और 2325 गाँव हैं। जनपद की मुख्य नदियों में गंगा, रामगंगा, गोमती और गर्रा हैं। मोमती की मुख्य सहायक नदियों में कथना, झुकमा और मेसारे हैं। गरी की मुख्य नदियों में कनौत, सुकेता और काई नदी हैं। जनपद शाहजहाँपुर सागरतल से औसत ऊँचाई 150 से 200 मी० के बीच पायी जाती है।

मानचित्र कमांक 1 अवस्थिति मानचित्र

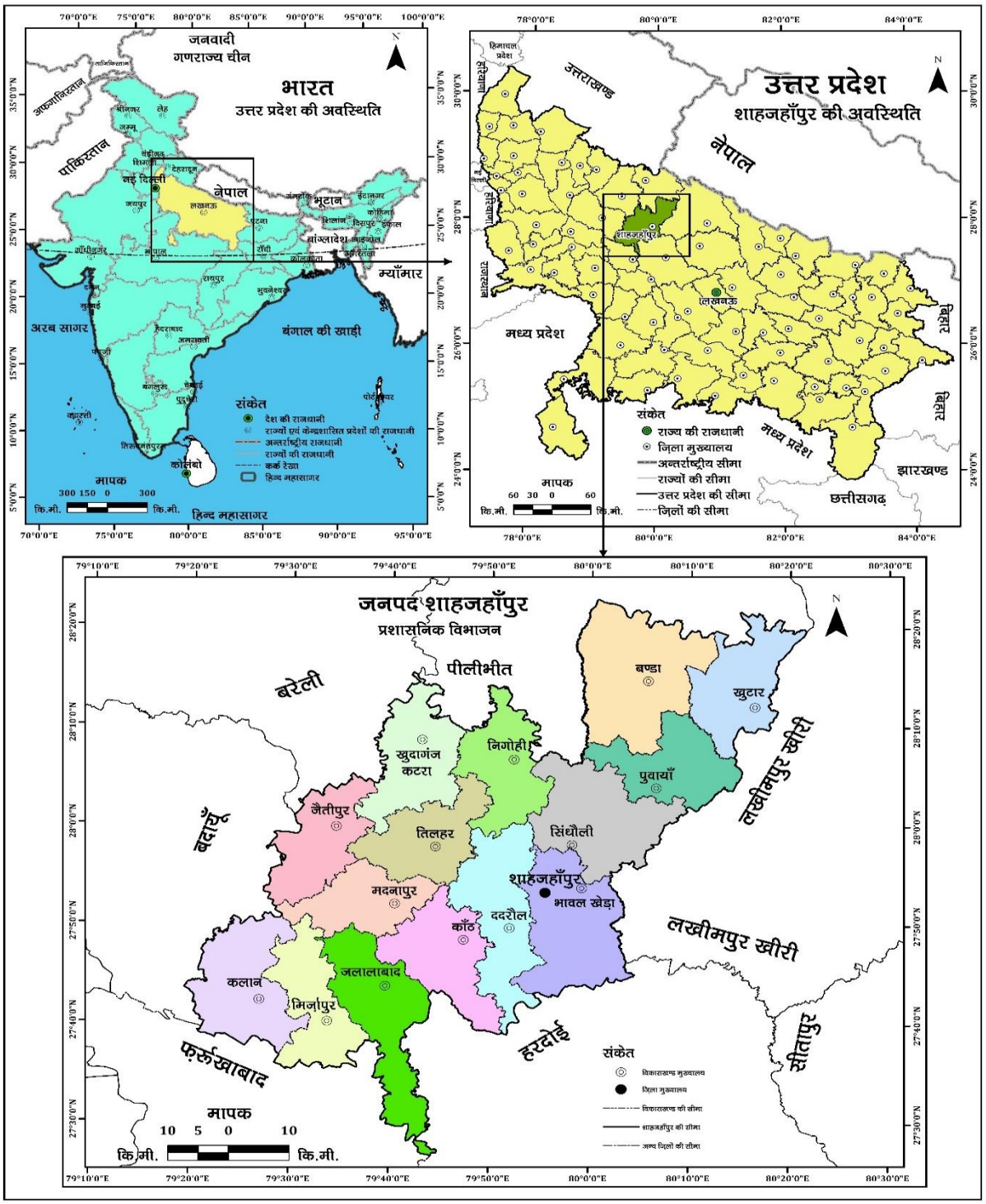

विधि तंत्र

जनपद शाहजहाँपुर के विभिन्न भूमि प्रकारों एवं उपयोग के बारे में द्वितीयक स्रोतों से जानकारी एकत्र किया गया। इसमें क्षेत्रीय सर्वेक्षण, सरकारी रिकॉर्ड, रिसर्च पेपर्स और संबंधित प्रकाशनों का समावेश है, जनपद में राज्य एवं केन्द्र सरकार के प्रकाशित एवं अप्रकाशित सूचनाओं तथा सांख्यिकीय आंकड़े मुख्य सूचना स्रोत हैं। इन आंकड़ों का विश्लेषण शोधार्थी ने एम. एस. एक्सल एप्लीकेशन पर किया है। जिनका विश्लेषण पुनः सारणी एवं आरेख के माध्यम से शोधार्थी ने प्रस्तुत किया है। शोध पत्र में अध्ययन क्षेत्र के आवश्यक मानचित्र को आर्क जीआईएस एप्लीकेशन पर तैयार किया गया है।

उद्देश्य

शोध अध्ययन निम्नलिखित उद्देश्यों को ध्यान में रखकर पूर्ण करने का प्रयास किया गया है–

- स्थानीय शिल्प के विकास का अध्ययन।

- आय में वृद्धि और स्थानीय रोजगार सृजन का अध्ययन।
- इस कार्यक्रम के माध्यम से स्थानीय उत्पादों का प्रचार–प्रसार का अध्ययन।

"एक जनपद – एक उत्पाद" कार्यक्रम

उत्तर प्रदेश में ऐसे उत्पाद बनते हैं जो देश में कहीं और उपलब्ध नहीं हैं, जैसे प्राचीन एवं पौष्टिक काला नमक चावल, दुर्लभ एवं अकल्पनीय गेहूँ डंठल शिल्प, विश्व प्रसिद्ध चिकनकारी, कपड़ों पर जरी–जरदोजी का काम, मृत पशु से प्राप्त सींगों व हड्डियों से अति जटिल शिल्प कार्य जो हाथी दांत का प्रकृति अनुकूल विकल्प है। इनमें से बहुत से उत्पाद जी.आई. टैग अर्थात् भौगोलिक पहचान पट्टिका धारक हैं। ये वे उत्पाद हैं जिनसे स्थान विशिष्ट की पहचान होती है। इनमें से तमाम ऐसे उत्पाद हैं जो अपनी पहचान खो रहे थे तथा जिन्हें आधुनिकता तथा प्रसार रूपी संजीवनी द्वारा पुनर्जीवित किया जा रहा है। जनपद विशेष से संबंधित उद्योग वैसे तो सामान्य प्रतीत होते हैं परंतु उनके उत्पाद उस क्षेत्र की विविधता एवं विलक्षणता को दर्शाते हैं। हींग, देशी घी, काँच के आकर्षक उत्पाद, चादरें, गुड़, चमड़े से बनी वस्तुएं उत्तर प्रदेश के जनपद इन वस्तुओं के उत्पादन में विशेषज्ञता रखते हैं। ये भी संभव है कि आप उत्तर प्रदेश में निर्मित किसी उत्पाद का पहले से प्रयोग कर रहे हों और आपको इसकी जानकारी भी न हो। यहाँ लघु एवं मध्यम दर्जे की तमाम ऐसी औद्योगिक इकाइयाँ हैं जिन्हें उन्नत मशीनरी, आधुनिकीकरण एवं उत्पादक क्षमता वृद्धि की आवश्यकता है। जन विविधता, जलवायु विविधता, आस्थाओं और संस्कृतियों की विविधता की तरह ही उत्पादों एवं शिल्प कलाओं में भी एक मोहक विविधता है।

कार्यक्रम का उद्देश्य

एक जनपद – एक उत्पाद (One District & One Product) योजना को राज्य में इस नाम के तहत लॉन्च करने का निर्णय लिया गया है। इस योजना के मुख्य उद्देश्य निम्नलिखित हैं–

- स्थानीय शिल्प कौशलों के संरक्षण, विकास और कला के प्रशंसन।
- आय में वृद्धि और स्थानीय रोजगार में वृद्धि (रोजगार के लिए प्रवासन में कमी का परिणाम होना)।
- उत्पाद गुणवत्ता में सुधार और कौशल विकास।
- उत्पादों को कला के माध्यम से रूपांतरित करना (पैकेजिंग, ब्रांडिंग के माध्यम से)।
- उत्पाद उत्पादन को पर्यटन से जोड़ना (लाइव डेमो और बिक्री बाजार – उपहार और स्मृतियों के लिए)।
- आर्थिक अंतर और क्षेत्रीय असंतुलन के मुद्दों को हल करना।
- सफल रूप से राज्य स्तर पर कार्यान्वयन के बाद इस अवधारणा को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ले जाने का मकसद।
- अगर किसी जिले में एक से अधिक उत्पाद अलग पहचान रखते हैं, तो पहले राज्य में रोजगार और विकास की संभावना रखने वाले उत्पाद को चुना गया है। धीरे–धीरे, इस योजना की श्रेणी में अन्य उत्पाद भी शामिल किए जाएंगे। संचालन, संग्रहकों, कुल उत्पादन, निर्यात, और कच्चे माल की उपलब्धता के संदर्भ में डेटाबेस तैयार करने और प्रशिक्षण व्यवस्थित करने के लिए। उत्पाद के उत्पादन, विकास, और विपणन की संभावनाओं की खोज करना। जिले, राज्य, राष्ट्रीय, और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विज्ञापन, प्रसारण, और विपणन के अवसर प्रदान करने। नई और मौजूदा इकाइयों को आवश्यक वित्त प्रदान करने के लिए भारत सरकार के MUDRA PMEGP, Stand Up Yojana के साथ साथ, मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना और उत्तर प्रदेश सरकार की विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना के साथ आवश्यक हैं, इस उद्देश्य के लिए आवश्यकता होने पर उसके लिए नई योजनाएँ शुरू करना। सहकारियों और स्व–सहायता समूहों की स्थापना करना। शिल्प और प्रौद्योगिकी विकास के लिए सामान्य और तकनीकी प्रशिक्षण। One District One Product Scheme 2022 की मुख्य विशेषताएं हैं। ODOP योजना पूरे जनपद के समावेशी विकास के लिए आवश्यक है। इस तरह, राज्य सरकार बाजार में उत्पाद को प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए नई प्रौद्योगिकी को अपनाएगी। ''इस योजना के अंतर्गत, जनपद शाहजहाँपुर में लगभग 15000 बेरोजगार युवाओं को नौकरियां मिली।

चित्र क्रमांक 1.1

जरदोजी कढ़ाई, सुंदर धातु कढ़ाई के रूप में जानी जाती है, जो किसी समय राजाओं एवं भारतीय राजसी पोशाक को सुंदर दिखाने के लिए इस्तेमाल की जाती थी। जरदोजी कढ़ाई कार्य में सोने एवं चांदी के धागे का इस्तेमाल कर डिजाइन का काम किया जाता है। शाहजहांपुर की लगभग 80 प्रतिशत आबादी का मुख्य व्यवसाय कृषि आधारित व्यापार या उद्योग माना गया है। पर कालीन निर्माण, जरदोजी कार्य आदि जिले के पूर्वी हिस्से में प्रख्यात हैं। इस क्षेत्र का जरदोजी शिल्प कार्य मुगल काल से ही काफी प्रसिद्ध रहा है। सूट, साड़ी, पर्स, बैग, हैंडबैग, जूतों, चप्पलों, टोपी, गाउन आदि पर जरदोजी कार्य की आमतौर पर काफी मांग रहती है एवं यह काफी प्रसिद्ध भी है।

चित्र क्रमांक 1.2

एम.एस.एम.ई. (सूक्ष्म, लघु, मध्यम उद्योग) क्षेत्र जिले की अर्थव्यवस्था में विशेष भूमिका अदा करता है तथा पूंजी निवेश, उत्पादन एवं रोजगार में सार्थक योगदान देता है ।

चित्र क्रमांक 1.3

जरदोजी कढ़ाई और सुंदर धातु कढ़ाई के क्षेत्र में कार्यरत शिल्पकारों, श्रमिकों के आजीविका एवं जीवन स्तर में सुधार हो रहा हैं और इन उत्पादों के प्रोत्साहन व विस्तार की अपार संभावनाएँ मौजूद है तथा इन उत्पादों के कुशल विपणन द्वारा इस क्षेत्र में रोजगार सृजन के नए आयाम जोड़े जा सकते हैं।

निष्कर्ष

अध्ययन के आधार पर, जनपद शाहजहांपुर में एक जनपद–एक उत्पाद (ODOP) के स्थानीय शिल्पों के विकास का अध्ययन करते हुए कुछ मुख्य निष्कर्ष हैं– जनपद शाहजहांपुर में जरदोजी कार्य शिल्प है, जिसमें स्थानीय कलाकारों ने मुगल काल से ही निपुणता प्रदर्शित की है। स्थानीय शिल्पों का विकास न केवल आय में वृद्धि लाने में मदद कर सकता है, बल्कि स्थानीय रोजगार को भी बढ़ावा दे सकता है। एक जनपद एक उत्पाद कार्यक्रम के तहत, स्थानीय शिल्पों का प्रचार–प्रसार करने से जिले की पहचान बढ़ सकती है और उसे विश्व स्तर पर पहचान मिल सकती है। उत्तर प्रदेश सरकार ने एक जनपद – एक उत्पाद कार्यक्रम के तहत उत्पादों के विकास के लिए कई योजनाएं शुरू की हैं और इसके माध्यम से लाखों बेरोजगार युवाओं को रोजगार मिला है। इन सभी निष्कर्षों से साबित होता है कि स्थानीय शिल्पों का विकास न केवल आर्थिक दृष्टि से फायदेमंद है, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है। इससे स्थानीय विकास में सकारात्मक परिवर्तन हो सकता है और जिले को समृद्धि की दिशा में आगे बढ़ने में मदद कर सकता है।

सुझाव

शोध विषय एक जनपद–एक उत्पाद के अन्तर्गत जरदोजी कार्य के विकास एवं स्थानीय उत्पादों के विकास, आय में वृद्धि, स्थानीय रोजगार सृजन, और उत्पादों का प्रचार–प्रसार का अध्ययन किया गया है। यहां शोधार्थी द्वारा कुछ सुझाव दिए जा रहे हैं एक जनपद–एक उत्पाद योजना के अन्तर्गत जरदोजी कार्य के विकास को और भी मजबूत बना सकते हैं– स्थानीय शिल्पों को बढ़ावा देने के लिए स्थानीय कलाकारों को प्रोत्साहित करें। कला और शिल्प मेलों का आयोजन करके स्थानीय उत्पादकों को एक साझा मंच प्रदान करें। आय में वृद्धि और स्थानीय रोजगार सृजन, उत्पादों की विपणन में सहायक होने के लिए आधुनिक बाजार आधारित रणनीतियों का विकास, स्थानीय युवाओं को उद्यमिता की शिक्षा देने के लिए संबंधित प्रशिक्षण कार्यक्रमों को प्रोत्साहित करें। डिजिटल माध्यमों का सही से इस्तेमाल करके स्थानीय उत्पादों का प्रचार–प्रसार करें। ऑनलाइन बाजारों में उत्पादों को पहुंचाने के लिए विभिन्न ई–कॉमर्स प्लेटफॉर्म का उपयोग करें। स्थानीय जरदोजी कलाकारों को आधुनिक डिजाइन तकनीकों से अवगत कराने के लिए कार्यशालाएं आयोजित करें। जरदोजी उत्पादों को विभिन्न क्षेत्रों में प्रस्तुत करने के लिए विशेष तटीय मेलों का आयोजन करें। स्थानीय विद्यालयों और कला संस्थानों के साथ सहयोग करके शिल्प और कला के क्षेत्र में युवाओं में रुचि बढ़ाएं। स्थानीय सरकार से सहायता प्राप्त करने के लिए विभिन्न योजनाओं की जानकारी प्राप्त करें।

संदर्भ ग्रंथ

1. Uttar Pradesh Disst. Gazetters, Shahjahapur
2. Singh Ujagir (1979) Indian economic and regional geography utter Pradesh Hindi Sansthan Lucknow.
3. Tiwari K.C. and Singh, B.N. 1994 agriculture geography, prayag pustak bhavan Allahabad.
4. Kothari C R and Garg Gaurav 2019 Research Methodology Methods and Techniques, New Age International Publicshers, Delhi.
5. Prasad, Hausila (1990) Rate of Irrigation in Agricultural Development of Gyanpur Tehsil, Varanasi District (U.P.) The National Geographical Journal of India Ball 36 pt. 3. Pw 190-198
6. Gangwar Dr. Pushpa Rani (2022) Future Scope of Solar Energy, Internatinal Journal of Economic Perspectives, 16(5), 12-20.
7. Jain, S. C. (1967) Agricultural Development in india, Kitab Mahal, Allahabad.
8. Singh Ujagir (1979) Indian economic and regional geography utter Pradesh Hindi Sansthan Lucknow.
9. Tiwari K.C. and Singh, B.N. 1994 agriculture geography, prayag pustak bhavan Allahabad.
10. Dqekj uhjt] flag M,DVj pqUuk tuin dkuiqj nsgkr esa —f"k Hkwfe ,oa —f"k ;a= mi;ksx dh fLFkfr dk fo'ys"k.kA IJAAR Vol.9 No.6 ISSN-2347-7075
11. www.pib.gov.in
12. http://updes.up.nic.in
13. flag izks-txfn’k ,oa flag izks- dk’khukFk 2017 vkfFkZd Hkwxksy ds ewy rRo Kkuksn; izdk’ku] xksj[kiqjA